

स्वतंत्रता दिवस 2017

स्वच्छ रहें, स्वस्थ रहें;

स्वच्छ रहें, स्वस्थ रहें।

जय भारत;

जय भिलाई।

गणतंत्र दिवस 2017

भारत में गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट (1935) लागू था। हमारा संविधान 26 जनवरी 1950 को अस्तित्व में आया। इसी वजह से हम हर साल 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते हैं। ये राष्ट्रीय त्योहार हमारे देश के लिए गर्व का प्रतीक है और यह देशभक्ति की भावना से जुड़ा है।

67 वर्षों में भारत ने काफी प्रगति की है। इसी तरह, भिलाई महिला महाविद्यालय भी पिछले 38 वर्षों में प्रगति की है।

हमारे एल्युमने पूरी दुनिया में फैले हुए हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है।

आज, हमारे कॉलेज में 1750 छात्राएं हैं। हमारे सभी छात्राओं की परीक्षा में उत्तीर्ण होना, हमारा लक्ष्य है। इसके लिए हमें प्रयास करना होगा। कोई भी छात्रा परीक्षा में विफल होना नहीं चाहती। तो आइये, हम एक साथ हाथ मिलाकर – शून्य विफलता – को संभव करें।

हमारा कॉलेज महान है। यह एक बहुत पुराना कॉलेज है। हमारे छात्राओं को मेरिट सूची में होना चाहिए। हमारा दूसरा नारा हो "टॉप 10"।

हर साल सीटों की एक अच्छी संख्या खाली पड़े रहते हैं। हमारा लक्ष्य होना चाहिए "शत प्रतिशत प्रवेश"।

इन लक्ष्यों के प्राप्ति के लिए मैं सभी शिक्षकों और छात्राओं से अपील करता हूँ।

अंत में, गणतंत्र दिवस के इस शुभ अवसर पर आप सभी का सपरिवार मंगल कामना करते हुए अपने वाणी को विराम देता हूँ।

जय भिलाई महिला महाविद्यालय, जय भिलाई, जय छत्तीसगढ़, जय भारत।

स्वतंत्रता दिवस 2016

मैं आप में से हर एक को जो यहां उपस्थित हैं, हमारे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मेरी शुभकामनाएं देता हूँ।

आइए, उन सभी सेनानियों जो हमारे देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान दिए हैं, को हमारी श्रद्धांजलि अर्पित करें।

आप में से ज्यादातर जानते हैं, भिलाई एजुकेशन ट्रस्ट वर्ष 1979 में इस महान संस्था भिलाई महिला महाविद्यालय की स्थापना की। यहां उपस्थित अग्रदूतों जानते हैं कि इस संस्था को स्थापित करने में उन्हें कितना संघर्ष करना पड़ा।

कॉलेज गृह विज्ञान पाठ्यक्रम के साथ शुरू हुआ। जैसा कि आप जानते हैं, आज यहां कई संकायें हैं। भविष्य में कई और संकायें जुड़ेंगे। हम सभी की जिम्मेदारी है। ना सिर्फ इसे बनाए रखना, लेकिन इसमें सुधार भी लाना है।

छात्रों के माध्यम से माता-पिता के लिए:

माता-पिता के रूप में हम जो जीन अपने बच्चे को पारित करते हैं, उसमें सुधार लाया जा सकता है। गर्भावस्था से पहले सुविचार और एक संतुलित आहार के माध्यम से जीन में सुधार किया जा सकता है। यह दोनों पति और पत्नी के द्वारा किया जाना है।

लेकिन जब ये बच्चे कॉलेज में हैं, तो आप अभी इस पर कुछ कर नहीं सकते। आप जो कर सकते हैं वह है उन पर भरोसा रखें। उन्हें प्रोत्साहित करें। उनका समर्थन करें। उनका अच्छाइयों को देखें। यह उन्हें एक चैंपियन बना देगा।

छात्रों के लिए:

कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या आनुवंशिक रूप से साथ पैदा हुए हैं, वास्तव में मायने रखती है अभ्यास, अभ्यास, अभ्यास और अभ्यास। यह सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। जीतने के लिए, एक चैंपियन बनने के लिए, उत्कृष्टता के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और जीतने की ललक आप को शीर्ष पर ले जाएगा। जीतने के लिए भूख आप को विशेष कर देगा।

एक और बात, आप हमेशा कहते हैं, यह out of syllabus है। लेकिन जब आप कॉलेज से पास कर के बाहर वास्तविक जीवन की दुनिया में प्रवेश करेंगे, वहां कुछ भी out of syllabus नहीं होगा। इसलिये जीवन जीने की प्रत्येक कला को सिखें।

शिक्षकों के लिए:

शिक्षकों को यह याद रखना होगा कि अपने छात्रों को मार्गदर्शन के लिए वे हमेशा उनके साथ नहीं होंगे। इसलिए, उन प्रत्येक पहलुओं को सिखाएं जो जीवन विज्ञान की कला में उन्हें पारंगत कर दे।

आइए, साथ मिल कर इस दुनियाँ को और बेहतर बनायें।

मैं अपने सभी हितधारकों, जो इस संस्था को वर्षों से समर्थन प्रदान किए हैं, का अभिवादन करता हूँ। आशा है कि वे भविष्य में भी अपना समर्थन प्रदान करते रहेंगे।

पूनः आप सभी को तथा आप के परिवार के हरेक सदस्य को अभीवादन करते हुए तथा उत्तरोत्तर उन्नती की कामना करता हूँ।

जयहिन्द ।